2269589

कुल पृष्ठ संख्या-24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा यहां भरा जाना चाहिये)

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें ।

माध्यम — हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ...हिन्दी...

परीक्षा का दिन ...मंगलवार...

दिनांक ...12-3-24...

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा। (2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें। (3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	4
2	5	20	4
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	4	30	
13	4	31	
14	4	योग	80
15	4	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	5		

परीक्षक के हस्ताक्षर...................संकेतांक 47111

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।

जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।

भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड-अ
1	1	(i) (ब) ईर्ष्या
		(ii) (अ) रमेश
1		(iii) (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
1		(iv) (द) अवधी
1		(v) (अ) उद्धव
1		(vi) (अ) बिहार
1		(vii) (अ) चश्मे वाला
1		(viii) (अ) यशपाल
1		(ix) (स) रेखाचित्र
1		(x) (ब) संभ्थला
1		(xi) (स) इब्जेल का
1		(xii) (ब) देहाती दुनिया
12		

कृ.पृ.उ.

BSEER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2	(i) भाववाचक संज्ञा
		(ii) विशेषण
		(iii) अकर्मक क्रिया
		(iv) अव्यय
		(v) अन्त मे
		(vi) चार (4)
	3	(i) शीर्षक → राष्ट्र की भावना / राष्ट्र का महत्व
		(ii) वर्तमान मे राष्ट्र को शारीरिक दृष्टि से मजबूत, निर्भय तथा ऐसे नवयुवको की आवश्यकता है जो अपने आप मे, "अपनी शक्ति मे विश्वास करते हो"
		(iii) भारत के राष्ट्रीय आदर्श त्याग और सेवा को अपनाकर गरीबो, भूखो और पीडितो की सेवा मे अपने को अर्पित करना ही राष्ट्र की सबसे बडी सेवा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(iv) विवेकानन्द के उपदेश का ध्येय वाक्य है " उठो जागो और तब तक रुको नही जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये।
1		(v) राष्ट्र भक्ति की भावना का आधार "विवेक" और "प्रेम" है।
1		(vi) "नास्तिक"
6		
	4	(i) शीर्षक ⇒ मानव के गुण
1		(ii) आदमी के मग मे "विघ्न" नही टिक सकता है।
1		(iii) मानव जब जोर लगाता है, तब पत्थर पानी बन जाता है।
1		(iv) जो बत्ती को नही जलाता है, उसे रोशनी नही मिलती।
1		(v) जबनर खम ठोक ठेलता है, ~~जब~~ नर ~~तब~~ उस समय जब पर्वत के पाँव उखड़ जाते है।
1		(vi) मेंहदी के बीच "उजियाली" छिपी है।
6		

कृ. पृ. उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	—	खण्ड - ब
2	5	शहनाई बनाने के लिए जिस रीढ़ का प्रयोग किया जाता है वह डुमराँव मे स्थित सोन नदी के किनारे मिलती है इसलिए शहनाई और डुमराँव एक दूसरे के लिए उपयोगी है
2	6	हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ती को पहली बार देखा तो उनकी दृष्टि मे एक बात खटकली थी वह जो थी कि मूर्ती वास्तविक अर्थात पत्थर की चश्मा रियल। अर्थात मूर्ती पर उनको चश्मा रियल दिखाई देता था और वह मूर्ती संगमरमर के पत्थर से बनी हुई थी।
2	7	छोटे बच्चे की मनोहारी मुस्कान देखकर कवि के मन मे यह भाव उमड़ता है कि जब वे जब बच्चे की दंतुरित मुस्कान को देखते है तो ऐसा लगता है, जल मे उपस्थित कमल उनकी झोपड़ी मे खिल रहे हो व उनका पाषाण हृदय भी पिघलकर जल बन जाता है, जब वह छोटे बच्चे की दंतुरित मुस्कान को देखते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	8	'उत्साह' कविता मे बताया है कि बादल क्रांति का प्रतीक है जो मानव की जन आकांक्षाओ की पूर्ती करता है वह मानव मे हो रही पीडा व दुःख दर्द को वर्षा के माध्यम से ठण्डा कर देता है अर्थात मिटा देता है और इस कविता का मूल भाव है, कि क्रांति रूपी बादल मानव के दुःख दर्द को हर लेते है और उनमे नई जागृति की भावना पेदा होती है
2	9	गैंगटॉक शहर को देखकर मधु कांकरिया को अनुभूति हुई कि जब वह रात के समय वहा पर तारे देख रहे थे तब वह तारे एक लाइट के झालर के समान दिखाई दे रहे थे और सुबह के वक्त लेखिका ने कन्चनजुंगा की पहाडी को नही देखा मगर फुलो से भरे शहर को देखा।
2	10	साँप निकलते समय बच्चो की प्रतिक्रिया थी, कि कोई तो अंधाधुंध गिर पडा किसी के दाँत टुट गये व किसी का सिर फूट गया, ऐसा होने के कारण सारे बच्चे घर की ओर भागने लगे। भोलानाथ अर्थात तार केश्वरश्य ने अपनी जान बचाने के लिए माँता के आँचल मे छिप गया और माता ने उसके घाव पर पिसी हुई हल्दी लगाई।

कृ.पृ.उ

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	11	नमक - मिर्च लगाना ⇒ बाहरी दिखावा करना
2		वाक्य प्रयोग ⇒ नवाब साहब ने खीरे पर नमक मिर्च लगाया।
		खण्ड - स
	12	(i) हड़ताल का आह्वान आजाद हिंद फौज के मुकदमे के सिलसिले में किया गया था।
		(ii) जो हड़ताल नहीं कर रहे थे जो उनके छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहां जा - जाकर हड़ताल करवा रहे थे।
		(iii) शाम को विद्यार्थी वर्ग "चौपड़ (मुख्य बाजार का चौराहा)" पर इकट्ठा हुआ।
		(iv) विद्यार्थियों के इकट्ठा होने के बाद वहां पर "भाषणबाजी" हुई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13 (i) गोपियो ने "उद्धव" को बड़भागी कहा है।

(ii) गोपियो ने उद्धव को बड़भागी इसलिए कहा क्योंकि वह श्री कृष्ण के समीप रहकर भी उनके प्रेम मे नही डुबे थे।

(iii) 'पुरइनि पात' से अभिप्राय है, "कमल का पत्ता"। जल मे रहकर भी कमल के पत्ते पर दागव दब्बे नही लगते है।

(iv) तेल की गागरि पानी मे डुबाने पर तेल की गागरि पर जल की एक बुंद भी उस पर ठहर नही पाती है। अर्थात जब हम तेल से युक्त गागरि को जल मे डुबोये तो उस पर जल ठहरता नही है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	14	~~हालदार साहब की आँखे इसलिए भर आई क्योंकि जब हालदार साहब ने पान वाले से पूछा की केप्टन कौन है, तो पानवाले ने अपने मुँह से पान को थूक कर हँसकर बोला~~
	14	"हालदार साहब भावुक है। इतनी-सी बात पर उनकी आँखे भर आई।" हालदार साहब की आँखे इसलिए भर आई क्योंकि "जब हालदार साहब ने पान वाले से पूछा कि केप्टन कौन है यह शायद कोई भूतपूर्व सिपाही है तब पान वाले ने अपने मुँह मे से पान को थूँक हँसकर बोला कि वह "लंगड़ा क्या जायेगा फौज मे" वह तो पागल है पागल। यह बोलने से हालदार साहब की आँखे भर आई और वह सोचते है कि हमारे देश मे देश भक्ति की भावना की जागृति था देश भक्ति की भावना कम होती जा रही है"। वह पानवाला देश के प्रति भक्ति की भावना नही रखता था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
5	15	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला' रचित कविता 'अट नही रही है' मे वर्णित फागुन की मादकता इस प्रकार है की जब फागुन का महिना आता है तब पेड़-पौधो पर पुराने पत्ते हट जाते है और नये हरे पत्ते आ जाते है और पेड़-पौधो के उपर रंग-बिरंगे लाल-पीले फूल उग आते है जिससे प्रकृति का दृश्य मनमोहक व रंगीन हो जाता है। इन फूलो की महक पूरे वातावरण को सुगंधित कर देती है जिससे मानव मे एक नये जीवन का संचार होता है और पशु-पक्षी व जानवर सभी फागुन की आने की खुशी मे झूम उठते है फागुन का महिना सभी के लिए नये उमंग व नया जीवन जीने का माध्यम बन जाता है, इस प्रकार फागुन मे मादकता चारो ओर छा जाती है

कु.पृ. 3.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16

तुलसीदास जी का जीवन परिचय

(4)

तुलसीदास जी का जन्म उत्तरप्रदेश के बांदा जिले के "राजापुर" गाँव मे हुआ था। इनका जन्म सन् 1532 मे हुआ था कुछ विद्वानो के अनुसार इनका जन्म "सोरो" मे माना जाता है तुलसीदास जी के द्वारा रचित प्रमुख ग्रन्थ है:— रामचरितमानस, कृष्णावली, गीतावली, दोहावली विनयपत्रिका। भारत के उत्तर दिशा मे प्रचलित ग्रन्थ "रामचरितमानस" है जो अवधी भाषा मे लिखा गया है, यह इनके द्वारा रचित है व विनयपत्रिका, कवितावली यह दोनो ब्रज भाषा मे लिखे गये है इनके पिता का नाम आत्माराम दुबे था इनका विवाह "रत्नावली" से हुआ व इनकी माता का नाम हुलसी देवी था इनका बचपन मे लालन - पोषण चुनिया या मुनिया नामक दासीयो ने किया था। इनकी मृत्यु सन् 1623 मे हुई थी।

खण्ड - द

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5

17 एक दिन मैंने हिरोशिमा पर कविता लिखी- जापान में नहीं, भारत लौटकर रेलगाड़ी में बैठे-बैठे। अज्ञेय ने हिरोशिमा में तत्काल कुछ न लिखकर, भारत लौटने पर कविता इसलिए लिखी क्योंकि "जब लेखक हिरोशिमा गया तब वहाँ पर उन्होंने अस्पताल में उपस्थित जन पीड़ित लोगों को देखा तो लेखक को उसकी घटना का अनुभव हुआ पर लेखक को उसकी अनुभूति नहीं हुई जिस कारण वह हिरोशिमा (जापान) में कविता नहीं लिख सका" लेकिन जब लेखक हिरोशिमा में एक दिन सड़क पर घुम रहा था तब उसने एक पत्थर पर उजली छाया देखी तो वह सोचता है कोई आदमी यहाँ पर खड़ा होगा और रेडियोधर्मी किरणें उस पर आकर गिरी होगी जिससे पत्थर पर उजली छाया बन गई वह आदमी भाप बनकर उड़ गया होगा। इस तरह लेखक ने अनुभव न कर उस घटना की अनुभूति कर ली जिससे उसको पता लगा कि अब मुझे कविता लिखनी चाहिए तो वह जब हिरोशिमा से लौटा तब उसने रेलगाड़ी में बैठे-बैठे कविता लिखी।

(कृ.प.उ.)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18 निबंध

(2) (i) प्रस्तावना
(ii) मोबाइल का शिक्षा के क्षेत्र मे उपयोग।
(iii) मोबाइल प्रयोग के दुष्परिणाम
(iv) छात्रो पर मोबाइल का प्रभाव
(v) उपसंहार

5

→ (i) प्रस्तावना ⇒ आजकल शिक्षा के क्षेत्र मोबाइल की उपयोगिता होने लगी है हमारे देश मे शिक्षा मे उन्नति प्राप्त करने के लिए मोबाइल फोन को विकसित किया गया है जिससे विद्यार्थीयो की शिक्षा मे सुधार हो।

(ii) मोबाइल का शिक्षा के क्षेत्र मे उपयोग ⇒

मोबाइल फोन का शिक्षा के क्षेत्र मे बहुत से उपयोग जैसे - विद्यार्थियो द्वारा ऑनलाइन क्लासेज लेना उन क्लास को देखकर पढना, यदि किसी विद्यार्थी को कोई प्रश्न नही आवे तो वह मोबाइल से अपना प्रश्न हल कर सकता है, आदि बहुत से उपयोग है मोबाईल फोन के और।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जिससे शिक्षा के क्षेत्र मे उन्नति हो वह उपकरण हमारे लिए लाभदायक है।

(iii) मोबाइल प्रयोग के दुष्परिणाम → मोबाइल प्रयोग से हम अच्छी व बुरी चीजे चीजे भी सीखते है परन्तु आजकल के विद्यार्थियो ने पढने के बहाने से फोन अर्थात मोबाइल तो ले लिया मगर उसमे गंदी चीजे या अश्लील वीडियो को देखते है जिससे विद्यार्थियो को पढाई मे चेतना नही लगती है और वह पढाई या शिक्षा के क्षेत्र मे पीछे रह जाते है।

(iv) छात्रो पर मोबाइल का प्रभाव → मोबाइल फोन से छात्रो पर बुरा प्रभाव भी पड़ रहा है। मोबाइल फोन को लगातार उपयोग मे लेने से छात्रो की आँखो पर प्रभाव पडता है, मोबाइल फोन से निकलने वाली किरणे छात्रो की आँखो को देखने मे असमर्थ बनाती है व इसका परिणाम यह होता है कि कम उम्र के छात्रो की आँखो पर चश्मा लग जाता है। छात्र मोबाइल फोन का अधिक उपयोग करने से बिगड़ भी रहे है। वह इसके ज्यादा उपयोग से छात्रो को मानसिक दुविधा, आदि हो जाते है

कृ.प.उ

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(v) उपसंहार ⇒ शिक्षा के क्षेत्र मे मोबाइल की उपयोगिता भी है पर इसके दुष्परिणाम भी है। छात्रो ~~द्वारा~~ इसको ज्यादा चलाने से किसी प्रकार की मानसिक कष्ट भी हो जाते है। अगर हम छात्रो को मोबाइल दे तो हमे उनको केवल पढने के उद्देश्य देना चाहिए। जिससे हमारे देश मे पढाई को लेकर उच्चा नाम हो व देश के विकास मे मदद मिले

HSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रार्थना – पत्र

19

सेवा मे,

श्री मान प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्च मा. विद्यालय
नाहरपुरा ।

विषय ⇒ विद्यालय मे पुस्तकालय सप्ताह मनाए जाने हेतु

मान्यवर!

नम्र निवेदन है कि मै आपके विद्यालय मे अध्ययन करता हूँ और मै कक्षा दसवी का छात्र हूँ। अपने विद्यालय मे पुस्तकालय सप्ताह भी मनाया जाना चाहिए जिसमे हमारे विद्यालय मे किताबो की लेन-देन होगी और विद्यार्थियो को पढने मे रुचि अधिक बढ़ेगी।

अतः निवेदन है कि आप हमारे विद्यालय मे पुस्तकालय सप्ताह मनाए जाने की अनुमति दे।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नाम – राहुल
कक्षा – दसवी

कृ. प. उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विज्ञापन।

20

5

बम्पर सेल! बम्पर सेल!

धमाका! धमाका!

महिला उद्यमिता केन्द्र
द्वारा बनाये गए
अचार व पापड़

अचार लेने पर एक
पैकेट पापड़ फ्री!

अवसर निकल गया तो
हाथ मलते रह जाओगे।

समय – प्रातः काल 6 बजे से
सायं सात बजे तक

स्थान – भैरव गेट (केकड़ी)

मोबाईल नम्बर – 0200200

कार्य समाप्त

80/80

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

HSER 17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024